प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

सेवा मे,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद– इटावा, उत्तर प्रदेश।

पत्र संख्या :एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / 19–20 / 10103 दिनांक : 11/03/2020

विषय : राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा दिनांक 17–19 फरवरी 2020 के मध्य सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के दौरान चिन्हित गैप्स / समस्याओं / के निराकरण एवं सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 17 से 19 फरवरी 2020 के मध्य जनपद– इटावा में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्देश्य से सहयोगात्मक पयवेक्षण किया गया। सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों / गतिविधियों के अन्तर्गत चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं से सम्बन्धित समस्याओं से सक्षम अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

उक्त के सम्बन्ध में मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उ0प्र0, के निर्देशानुसार **जनपद में पायी गयी कमियों में सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित कराते हुए एक सप्ताह के अन्दर अनुपालन आख्या अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध करना सुनिश्चित करें।** सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की अनुमोदित भ्रमण आख्या आवश्यक कार्यवाही हेतु पत्र के साथ संलग्न है।

संलग्नक–उपरोक्तवत्।

भवदीय,

(विजय विश्वास पन्त)
मिशन निदेशक

पत्र संख्या :एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / 19–20 / तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. महानिदेशक चिकि0 एवं स्वा0 सेवायें, उ0प्र0, लखनऊ।
2. महानिदेशक प0क0, उ0प्र0, लखनऊ।
3. मण्डलायुक्त, कानपुर मण्डल, कानपुर ।
4. जिला अधिकारी / अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद– इटावा।
5. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, कानपुर मण्डल को इस निर्देश के साथ कि दिये गये सुझावों के सम्बंध में एक सप्ताह के अन्दर कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें ।
6. समस्त महाप्रबन्धक / उप महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
7. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, कानपुर मण्डल, कानपुर।
8. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, जनपद– इटावा।

(डा0 मीनाक्षी सिंह)
मण्डलीय नोडल–कानपुर
महाप्रबन्धक, आई0ई0सी0

जनपद– इटावा की सहयोगात्मक भ्रमण आख्या

(भ्रमण अवधि– दिनांक 17 फरवरी, 2020 से 19 फरवरी, 2020)

राज्य स्तरीय टीम–

मण्डलीय नोडल अधिकारी–सुश्री मीनाक्षी सिंह, महाप्रबन्धक, आई0ई0सी0
सदस्य 1. डॉ0 हिमॉशु आर्य–कन्सलटेन्ट, आयुष
सदस्य 2. श्री बृजेन्द्र प्रताप श्रीवास्तव– कन्सलटेन्ट,सी0पी0

दल द्वारा पर्यवेक्षण के दौरान आच्छादित की गयी इकाइयां/गतिविधियां–

1. सी0एच0सी0 बसरेहर, इटावा।
2. एफ0आर0यू0, सी0एच0सी0, जसवन्त नगर, इटावा।
3. प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उपकेन्द्र, धनुआ , इटावा।
4. हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर उपकेंद्र फुलराई, इटावा।
5. नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र– कोकपुरा, इटावा।
6. वी0एच0एन0डी0, कठौतिया, कुदरैल, ब्लाक सरसईनावर, इटावा।

मिशन निदेशक महोदय,एन0एच0एम0 उ0प्र0 द्वारा प्रदत्त निर्देशों के क्रम में राज्य स्तरीय टीम द्वारा दिनांक 17 फरवरी से 19 फरवरी, 2020 के मध्य जनपद इटावा का भ्रमण कर एल–3, एल–2 व एल–1 स्तर की स्वास्थ्य इकाईयों, नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र तथा सामुदायिक गतिविधियों का सहयोगात्मक पर्यवेक्षण किया गया। भ्रमण आख्या निम्नवत् है–

सी0एच0सी0 बसरेहर, जनपद –इटावा

मुख्य अवलोकन बिन्दु	अपेक्षित कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर एवं दायित्व
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी।	नियमित रुप से परिसर की साफ–सफाई कराये जाने व रोस्टर प्लान बनाकर नियमित मानीटरिंग करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक /नोडल अधिकारी
प्रसव कक्ष में 07 ट्रे उपलब्ध थी लेकिन मानकानुसार रखरखाव नहीं था।	7 ट्रे का मानकानुसार संरक्षित करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
प्रसव रजिस्टर नियमित रूप से अपडेट नहीं किया जा रहा है तथा केस शीट पूर्णतया नहीं भरी जा रही है।	प्रसव पंजिका तत्काल अपडेट करना।	स्टाफ नर्स एवं चिकित्सा अधीक्षक
ब्लाक स्तरीय सर्पोटिव सुपरविजन प्लान उपलब्ध नहीं था।	सर्पोटिव सुपरविजन प्लान बनाकर सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा भ्रमण किये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट कलेक्शन शेड निर्मित है। स्वास्थ्य केन्द्र पर Colour Coded Bins उपलब्ध थे परन्तु उपस्थित स्टाफ को वेस्ट सेग्रीगेशन की समुचित जानकारी नहीं है।	समस्त सम्बन्धित स्टाफ को वेस्ट सेग्रीगेशन की जानकारी देने व बायो मेडिकल वेस्ट के समुचित निस्तारण हेतु अभिमुखीकरण कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
मोहन सिंह संविदा स्टॉफ नर्स (एम0एच0) जून 2019 से बिना सूचना के निरन्तर अनुपस्थित है।	उक्त के संबंध में जिला कार्यकारी समिति को अवगत कराते हुए नियमानुसार आवश्यक कार्यवाही करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक/ब्लाक एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक
प्रयोगशाला में ब्लड स्पिल किट उपलब्ध नहीं थी।	ब्लड स्पिल किट उपलब्ध करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक

मुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एन0सी0डी0 लीनिक स्थापित है तथा कॉउसलर, लैब टैक्निशियन तथा स्टाफ नर्स कार्यरत है, परन्तु एन0सी0डी0 स्क्रीनिंग में डायबिटिज एवं हाइपर टेंशन के अतिरिक्त अन्य बिन्दुओं पर रिपोर्टिंग एवं स्क्रीनिंग का कार्य नहीं किया जा रहा है। एन0सी0डी0 कम्प्यूटर आपरेटर द्वारा आयुष्मान मित्र का कार्य किया जा रहा है।	एन0सी0डी0 क्लीनिक में उपलब्ध मानव संसाधन द्वारा दिशा–निर्देशो के अनुरूप एन0सी0डी0 क्लीनिंक से सम्बन्धित समस्त कार्य किये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर संविदा आयुष चिकित्सक डा0 सपना गुप्ता (होम्योपैथिक विधा) एवं डा0 ललित वर्मा (आयुर्वेद विधा) कार्यरत है। होम्योपैथिक औषधियॉ उपलब्ध थी परन्तु आयुर्वेदिक औषधियॉ उपलब्ध नहीं पायी गयी। अवगत कराया गया कि जनपद से आयुर्वेदिक औषधियॉ प्राप्त नहीं हुई है।	उक्त के संबंध में चीफ फार्मासिस्ट सी0एम0एस0डी0 जनपद इटावा से सम्पर्क स्थापित करने पर संज्ञान में आया कि सी0एम0एस0डी0 में आयुर्वेदिक औषधियॉ पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है, परन्तु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र द्वारा उक्त के संबंध में कोई मॉग पत्र प्रेषित नहीं किया गया है। आयुर्वेदिक औषधियों हेतु तत्काल मॉग पत्र प्रेषित कर आयुर्वेदिक औषधियों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
चिकित्सा अधीक्षक के कक्ष एवं बी0पी0एम0यू0 में डैशबोर्ड नहीं था।	चिकित्सा अधीक्षक के कक्ष एवं बी0पी0एम0यू0 में डैशबोर्ड स्थापित करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक/ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर वर्तमान वित्तीय वर्ष में 3146 प्रसव सम्पादित किये गये जिसमें 2970 लाभार्थियों का जे0एस0वाई0 भुगतान किया जा चुका है तथा 176 जे0एस0वाई0 भुगतान लम्बित पाये गये। अवगत कराया गया कि बैंक खाते उपलब्ध न होने के कारण उक्त भुगतान नहीं हो पा रहें है।	सम्बन्धित आशा एवं एन0एन0एम द्वारा लाभार्थियों के खाते ससमय खोले जाने हेतु प्रेरित किये जाने के संबंध में सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक/ब्लाक कम्यूनिटी प्रोसेस प्रबंधक
आर0बी0एस0के0 टीम के उपलब्ध माइक्रोप्लान एवं मोबाईल एप पर प्रदर्शित माइक्रोप्लान में भ्रमण स्थल के नाम एवं तिथियों में भिन्नता पायी गयी। अवगत कराया गया कि टीम द्वारा मोबाईल एप पर उपलब्ध माइक्रोप्लान के अनुसार ही भ्रमण किया जा रहा है।	उक्त के संबंध में भिन्नता को दूर करते हुए माइक्रोप्लान के अनुसार भ्रमण किये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एन0बी0एस0यू0 निर्मित है परन्तु पीडियाट्रीशियन की तैनाती नहीं होने से कियाशील नहीं है।		
वेटिंग एरिया में तथा प्रसव कक्ष के बाहर लकडी के तखत का प्रयोग किया जा रहा है। अवगत कराया गया कि नया हॉस्पिटल बेड उपलब्ध नहीं है तथा उपलब्ध हॉस्पिटल बेड पुराने एवं खराब है।	लकडी के तखत के स्थान पर वेटिंग एरिया में वेटिंग चेयर्स तथा प्रसव कक्ष के बाहर हॉस्टिपल बेड का ही प्रयोग किये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
कंगारू केयर कक्ष में रिलेक्सिंग चेयर्स उपलब्ध नहीं थी।	रिलेक्सिंग चेयर्स उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक

जे0एस0वाई0 वार्ड में भर्ती प्रसूताओं द्वारा अवगत कराया गया जे0एस0एस0के0 डाइट के अन्तर्गत नाश्ते में एक चाय एवं दो बिस्कुट तथा भोजन में दो रोटी तथा सब्जी दी जा रही है।	जनपद में प्रचलित टेण्डर के अनुसार दिये जाने वाले भोजन का विस्तृत मेनू जे0एस0वाई0 वार्ड में वाल राईटिंग किये जाने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ नर्स एवं चिकित्सा अधीक्षक

एफ0आर0यू0, सी0एच0सी0, जसवन्त नगर, जनपद –इटावा

मुख्य अवलोकन बिन्दु	अपेक्षित कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर एवं दायित्व
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी।	नियमित रुप से परिसर की साफ–सफाई कराये जाने व रोस्टर प्लान बनाकर नियमित मानीटरिंग करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक /नोडल अधिकारी
प्रसव कक्ष में डिलेवरी लोड के अनुसार डिलेवरी ट्रे उपलब्ध नहीं थी।	डिलेवरी लोड के अनुसार डिलेवरी ट्रे उपलब्ध कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
प्रसव कक्ष में लेबर टेबल पर पन्चर कैलिस पैड थे।	लेबर टेबल पर सही कैलिस पैड उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ नर्स एवं चिकित्सा अधीक्षक
प्रसव कक्ष में हाथ धोने हेतु एलबो टैप तथा सोप डिस्पेनसर उपलब्ध नहीं थे।	एलबो टैप तथा सोप डिस्पेनसर उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
प्रसव कक्ष के बाहर शू रैक उपलब्ध नही थे।	शू रैक उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ नर्स एवं चिकित्सा अधीक्षक
प्रसव रजिस्टर में एम0सी0टी0एस0/आर0सी0 एच0 क्रमाक की प्रविष्टि नहीं की जा रही थी। अवगत कराया गया कि एम0सी0टी0एस0/आर0सी0एच0 क्रमाक उपलब्ध नहीं है।	उक्त के क्रम में जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को एम0सी0टी0एस0/आर0सी0एच0 क्रमाक उपलब्ध कराने हेतु सभी संबंन्धित कम्प्यूटर आपरेटर को निर्देशित किये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक/ब्लाक एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक
जे0एस0एस0के0 के डाइट रजिस्टर दिनांक 31.01.2020 से भरे नहीं जा रहे थे। अवगत कराया गया कि जे0एस0एस0के0 डाइट रजिस्टर में गलती/कटिंग से बचने के लिए मासिक आधार पर रजिस्टर पूरा किया जाता है।	डाइट रजिस्टर नियमित रूप से प्रतिदिन पूर्ण किये जाने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ नर्स एवं चिकित्सा अधीक्षक
प्रसव कक्ष में नवजात बच्चो को जीरो डोज नहीं दिया जा रहा है। जीरो डोज अगले दिन टीकाकरण कक्ष में प्रदान किया जा रहा है।	नवजात बच्चों को प्रसव कक्ष में ही जीरो डोज प्रदान करने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ नर्स एवं चिकित्सा अधीक्षक
जे0एस0वाई0 वार्ड में भर्ती प्रसुताओं द्वारा अवगत कराया गया जे0एस0एस0के0 डाइट के अन्तर्गत नाश्ते में एक चाय एवं दो ब्रेड स्लाइस तथा भोजन में चार रोटी तथा दाल दी जा रही है।	जनपद में प्रचलित टेण्डर के अनुसार दिये जाने वाले भोजन का विस्तृत मेनू जे0एस0वाई0 वार्ड में वाल राईटिंग किये जाने का सुझाव दिया गया।	सम्बन्धित स्टाफ नर्स एवं चिकित्सा अधीक्षक
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एन0बी0एस0यू0 निर्मित है परन्तु पीडियाट्रीशियन की तैनाती नहीं होने से क्रियाशील नहीं है।		
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में एन0सी0डी0 क्लीनिक स्थापित है तथा कॉउसलर, लैब टैक्नीशियन तथा स्टाफ नर्स कार्यरत है, परन्तु एन0सी0डी0 स्क्रीनिंग में डायबटिज एवं हाइपर	एन0सी0डी0 क्लीनिक में उपलब्ध मानव संसाधन द्वारा दिशा–निर्देशो के अनुरूप एन0सी0डी0 क्लीनिंक से संबंन्धित समस्त कार्य किये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक

्शन के अतिरिक्त अन्य बिन्दुओं पर रिपोर्टिंग एवं स्क्रीनिंग का कार्य नहीं किया जा रहा है। एन0सी0डी0 कम्प्यूटर आपरेटर द्वारा आयुष्मान मित्र का कार्य किया जा रहा है।		
प्रयोगशाला में सी0बी0सी0 मशीन विगत 07 माह से क्रियाशील नहीं है। अवगत कराया गया कि साइरिक्स द्वारा मशीन ठीक की गयी परन्तु रीडिंग प्राप्त नहीं हो रही है।	साइरिक्स के नं0 पर सम्पर्क कर मशीन ठीक न होने के संबंध में अवगत कराया गया। साइरिक्स के प्रतिनिधि द्वारा अवगत कराया गया कि उसके द्वारा मशीन ठीक कर दी गयी है, सम्भवत रीएजेन्ट के कारण कार्य नही कर रही है। उक्त के संबंध में साइरिक्स के प्रतिनिधि द्वारा 02 दिवसों में मशीन क्रियाशील किये जाने का आश्वासन दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
प्रयोगशाला में यूरिन एनालाईजर क्रियाशील नहीं था। अवगत कराया गया कि यूरिन एनालाईजर हेतु यूरिन स्ट्रीप उपलब्ध नहीं है।	उक्त के संबंध में चीफ फार्मासिस्ट सी0एम0 एस0 डी0 जनपद इटावा से सम्पर्क स्थापित करने पर संज्ञान में आया कि सी0एम0एस0डी0 में यूरिन स्ट्रीप उपलब्ध है। अतः यूरिन एनालाईजर क्रियाशील किये जाने हेतु तत्काल मॉग पत्र प्रेषित कर यूरिन स्ट्रीप की उपलब्धता सुनिश्चित करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
एफ0पी0 काउसलर उपस्थित थीं। अवगत कराया गया कि विगत माह में 447 डिलेवरी में से 145 को पी0पी0आई0यू0सी0डी0 लगाया गया है तथा लगभग 02 माह से अन्तरा उपलब्ध नहीं है।		
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में ब्लड स्टोरेज यूनिट हेतु नियुक्त एल0टी0 एन0सी0डी0 लैब में कार्यरत है तथा ब्लड स्टोरेज यूनिट की इक्यूपमेन्ट यूनिट 03 माह पूर्व चिकित्सालय को हस्तगत कि गयी परन्तु कम्पनी द्वारा अद्यतन तक स्थापित कर क्रियाशील नही की गयी है।	सम्बन्धित कम्पनी से सम्पर्क स्थापित कर ब्लड स्टोरेज यूनिट यथाशीघ्र स्थापित किये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक / जिला कार्यक्रम प्रबंधक
आई0सी0टी0सी0 काउसलर द्वारा सुरक्षात्मक उपकरणों यथा एप्रेन, ग्लव्स तथा मास्क का प्रयोग नहीं किया जा रहा था। अवगत कराया गया कि मास्क उपलब्ध नहीं है परन्तु फार्मासिस्ट ने अवगत कराया की स्टोर में पर्याप्त मात्रा में ग्लव्स तथा मास्क उपलब्ध है।	तत्काल ग्लव्स एवं मास्क की उपलब्धता सुनिश्चित करते हुए उनका प्रयोग सुनिश्चित किया गया।	
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर वर्तमान वित्तीय वर्ष में 2685 प्रसव सम्पादित किये गये जिसमें 2436 लाभाथियों का जे0एस0वाई0 भुगतान किया जा चुका है तथा 249 जे0एस0वाई0 भुगतान लम्बित पाये गये। अवगत कराया गया कि बैंक खाते उपलब्ध न होने के कारण उक्त भुगतान नहीं हो पा रहें है।	सम्बन्धित आशा एवं एन0एन0एम द्वारा लाभार्थियों के खाते ससमय खोले जाने हेतु प्रेरित किये जाने के संबंध में सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक / ब्लाक कम्यूनिटी प्रोसेस प्रबंधक
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर संविदा आयुष चिकित्सक डा0 एम0एस0 कुशवाहा (होम्योपैथिक विधा) कार्यरत है। होम्योपैथिक औषधियॉ उपलब्ध	उक्त के संबंध में दिशा–निर्देशो के अनुरूप होम्योपैथिक औषधियों के वितरण हेतु ग्लोब्यूल्स एवं शीशीयों को आर0के0एस0 से	चिकित्सा अधीक्षक

परन्तु ग्लोब्यूल्स एवं शीशीयों के अभाव में वितरित नहीं थी।	क्रय किये जाने का सुझाव दिया गया।	
ब्लाक स्तरीय सर्पोटिव सुपरविजन प्लान उपलब्ध नहीं था।	सर्पोटिव सुपरविजन प्लान बनाकर सम्बन्धित अधिकारियों द्वारा भ्रमण किये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
बायो मेडिकल वेस्ट मैनेजमेण्ट कलेक्शन शेड निर्मित है। स्वास्थ्य केन्द्र पर Colour Coded Bins उपलब्ध थे परन्तु उपस्थित स्टाफ को वेस्ट सेग्रीगेशन की समुचित जानकारी नहीं है।	समस्त सम्बन्धित स्टाफ को वेस्ट सेग्रीगेशन की जानकारी देने व बायो मेडिकल वेस्ट के समुचित निस्तारण हेतु अभिमुखीकरण कराये जाने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक
चिकित्सा अधीक्षक के कक्ष एवं बी0पी0एम0यू0 में डैशबोर्ड नहीं था।	चिकित्सा अधीक्षक के कक्ष एवं बी0पी0एम0यू0 में डैशबोर्ड स्थापित करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक/ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक
कंगारू केयर कक्ष में रिलेक्सिंग चेयर्स उपलब्ध नहीं थी।	रिलेक्सिंग चेयर्स उपलब्ध कराने का सुझाव दिया गया।	चिकित्सा अधीक्षक

उपकेन्द्र– फुलराई, इटावा।

मुख्य अवलोकन बिन्दु	अपेक्षित कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर एवं दायित्व
हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर उपकेंद्र फुलराई में गैर संचारी रोगों की स्क्रीनिंग के लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत स्क्रीनिंग की जा चुकी थी जो कि संतोषजनक थी।	सभी आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने एवं सभी अभिलेख पूर्ण/अद्यतन करने हेतु सुझाव दिया गया।	ब्लॉक स्तर पर– चिकित्सा अधिकारी/ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक/ ब्लाक कम्युनिटी प्रासेस मैनेजर
साफ–सफाई की व्यवस्था संतोषजनक थी परन्तु प्रचार सामग्री का अभाव था। औषधि स्टॉक रजिस्टर उपलब्ध नहीं था।		
उपकेंद्र पर विद्युत कनेक्शन उपलब्ध ना होने के कारण पानी की आपूर्ति भी नहीं हो पा रही थी। इस विषय में ब्लॉक कार्यक्रम प्रबंधक नै सूचित किया कि ग्राम प्रधान से वार्ता हो चुकी है तथा उन्होंने विद्युत विभाग से सम्बंधित समस्त औपचारिकताएं पूर्ण कर दी हैं।		
सी०एच०ओ० संतोष कुमार को माह दिसंबर तक के पी०बी०आई० का भुगतान किया जा चुका था।		
मधुमेह तथा हाइपरटेंशन की औषधियां उपलब्ध थीं।		

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उपकेन्द्र, धनुआ, इटावा।

मुख्य अवलोकन बिन्दु	अपेक्षित कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर एवं दायित्व
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र धनुआ में **एक ही परिसर में 2 हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर** (प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एवं उपकेन्द्र में) स्थापित मिले। इस विषय में वार्ता करने पर ज्ञात हुआ कि इस विषय में कोई दिशानिर्देश प्राप्त नहीं हुए तथा स्थान के चयन में समस्या होने के कारण वहीं दूसरा स्थान चयनित किया गया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बलराई में भी इसी प्रकार से एक ही परिसर में 2		

ल्थ एंड वेलनेस सेंटर स्थापित हैं। हेल्थ एंड वेलनेस से सम्बंधित स्टाफ नर्स की नियुक्ति ना होने के कारण केंद्र क्रियाशील नहीं था।		
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी।	नियमित रुप से परिसर की साफ–सफाई कराये जाने व रोस्टर प्लान बनाकर नियमित मानीटरिंग करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्साधिकारी/ नोडल अधिकारी
निर्मित बायो मेडिकल वेस्ट पिट मानकों के अनुरुप नहीं है। स्वास्थ्य केन्द्र पर Colour Coded Bins उपलब्ध थे परन्तु उपस्थित स्टाफ को वेस्ट सेग्रीगेशन की जानकारी नहीं है।	Colour Coded Bins उपलब्ध कराने तथा समस्त सम्बन्धित स्टाफ को वेस्ट सेग्रीगेशन की जानकारी देने व बायो मेडिकल वेस्ट के समुचित निस्तारण हेतु अभिमुखीकरण कराये जाने का सुझाव दिया गया।	प्रभारी चिकित्सा अधिकारी

नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र – कोकपुरा, इटावा।

अवलोकन बिन्दु	सुझाव/सुधारात्मक कार्यवाही	आपेक्षित कार्यवाही का स्तर
मिशन निदेशक महोदय द्वारा बायोमैट्रिक मशीन लगाये जाने हेतु निर्देश दिए जा चुके है, परन्तु केन्द्र पर अभी तक बायोमैट्रिक मशीन क्रियाशील नही है।	नोडल अधिकारी को सुधारात्मक कार्यवाही करने तथा नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर आगमी 15 दिवस मे बायोमेट्रीक क्रियाशील किये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्साधिकारी/ नोडल अधिकारी
परिसर में साफ–सफाई व्यवस्था संतोषजनक पायी गयी।	नियमित रुप से परिसर की साफ–सफाई कराये जाने व अधिकारियों द्वारा रोस्टर प्लान बनाकर नियमित मानीटरिंग करने का सुझाव दिया गया।	चिकित्साधिकारी /नोडल अधिकारी
पैथोलाजी में निःशुल्क जांच का बोर्ड नहीं था।	निःशुल्क जांच हेतु नोटिस बोर्ड पर लिखने हेतु अरबनहेल्थ कोऑडिनेटर को निर्देशित किया गया।	नोडल अधिकारी/ अरबनहेल्थ कोऑडिनेटर
नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में कोकपुरा पर भी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर स्थापित है तथा स्क्रीनिंग लक्ष्य के अनुरुप लगभग शत प्रतिशत हो चुकी है। केंद्र पर लाभार्थियों की 3 प्रकार की गैर संचारी रोगों की जांचें भी की जा रही थी। यहां तैनात स्टाफ नर्स को कंप्यूटर चलाने का ज्ञान ना होने के कारण लाभार्थियों का डाटा पोर्टल पर अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर द्वारा अपडेट किया जा रहा था।	नोडल अधिकारी तथा अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर को सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने का सुझाव दिया गया।	मुख्य चिकित्सा अधिकारी/ नोडल अधिकारी
एच0आर0पी0 रजिस्टर नहीं बना हुआ था	तत्काल बनाये जाने हेतु सुझाव दिया गया।	स्टाफ नर्स
रोगी कल्याण समिति की शासी निकाय तथा कार्यकारी समिति की नियमित बैठक नहीं की जा रही है। आर0के0एस0 कार्यवाही रजिस्टर उपलब्ध नहीं है।	नियमित बैठक कराने तथा रजिस्टर बनाये जाने का सुझाव दिया गया।	अरबन कोआर्डिनेटर/नोडल एन0यू0एच0एम0
नगरीय प्रा0 स्वा0 केन्द्र पर एम0बी0बी0एस0 चिकित्सक एवं स्टाफ नर्स की तैनाती के उपरान्त भी प्रसव नहीं कराये जा रहे है।	नोडल अधिकारी तथा अर्बन हेल्थ कोऑर्डिनेटर को सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने का सुझाव दिया गया।	अरबन कोआर्डिनेटर/नोडल एन0यू0एच0एम0

...0एच0एन0डी0, कठौतिया, कुदरैल, ब्लाक सरसईनावर, जनपद–इटावा

मुख्य अवलोकन बिन्दु	अपेक्षित कार्यवाही	कार्यवाही का स्तर एवं दायित्व
वी0एच0एन0डी0 सत्र उपकेन्द्र पर आयोजित किया जा रहा था। संविदा ए0एन0एम0 मोनालिका उपस्थित थी। ए0एन0एम0 द्वारा कुल 34 शिशुओं का कुल टीकाकरण किया गया। थर्मामीटर, यूरिन टेस्ट किट एवं ब्लड शुगर टेस्ट किट सत्र स्थल पर उपलब्ध थी। पोषाहार का वितरण नही किया जा रहा है।	सभी आवश्यक उपकरण उपलब्ध कराने एवं सभी अभिलेख पूर्ण/अद्यतन करने हेतु सुझाव दिया गया।	ब्लॉक स्तर पर– चिकित्सा अधिकारी/ब्लाक कार्यक्रम प्रबंधक/ ब्लाक कम्युनिटी प्रासेस मैनेजर
आशा के पास अपडेट डयु लिस्ट नहीं थी तथा आशा के समस्त रिकार्ड पूरी तरह भरे नहीं थें। वी0एच0आई0आर0 रजिस्ट्रर नहीं भरा जा रहा था।		
गर्भवती/प्रसूती महिला, लक्षित दम्पत्ति सूची, एच0आर0पी0 सूची आदि उपलबध नहीं थी। हाई रिस्क प्रेगनेंसी का अलग से रजिस्टर उपलब्ध नहीं था।		
कुपोषित बच्चों के परीक्षण के लिये एम0यू0ऐ0सी0 टेप भी उपलब्ध नहीं था, जिससे कुपोषित बच्चों का चिन्हिकरण व बच्चों को एन0आर0सी0 रेफर नहीं किया जा रहा था।		
सेन्टर पर जॉच टेबल उपलब्ध नहीं थी तथा सीमेन्ट की बैंच पर प्रसव पूर्व जॉचे की जा रही थी।		
लाभार्थी शिशु की माता से बात करने पर ज्ञात हुआ कि 09 माह तक बच्चे को सिर्फ 02 बार टीकाकरण किया गया है। आशा से इस विषय में बात करने पर ज्ञात हुआ की शिशु के अन्यत्र स्थान पर होने के कारण टीकाकरण नहीं हुआ। साथ ही लाभार्थी को यह जानकारी दी गयी की वह कही भी अपने निकट केन्द्र पर टीकाकरण करा सकते है।		
आशा द्वारा 06 माह से 05 वर्ष तक के शिशुओं को आई0एफ0ए0 सिरफ तथा गर्भवती एवं स्तनपान कराने वाले महिला को आई0एफ0ए0 टेब्लेट वितरित नहीं कि गयी थी।		
घरेलु प्रसव का 01 कैस पाया गया तथा आशा एवं ए0एन0एम0 द्वारा एच0बी0एन0सी0 विजिट की गयी थी।		
आशा एवं ए0एन0एम0 द्वारा नियमित टीकाकरण का माइक्रोप्लान नहीं बनाया गया था। जिसके संबंध में ब्लाक कार्यक्रम प्रबन्धक को सुझाव दिया गया।		
आशा को आर0के0एस0के0 कार्यक्रम के तहत मिलने वाले इन्सेन्टिव के विषय में जानकारी नहीं थी।		

मिशन निदेशक महोदय, एन0एच0एम0 उ0प्र0 द्वारा प्रदत्त निर्देशों के क्रम में राज्य स्तरीय टीम द्वारा द्वारा **उपरोक्त बिंदुओं पर मुख्य चिकित्साधिकारी, जनपद इटावा से वार्ता की गयी तथा उन्हें भ्रमण के दौरान प्रकाश में आई कमियों/सुधारात्मक कार्यवाही से अवगत कराया गया।**

मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जनपद–इटावा के साथ जनपद स्तरीय समीक्षा बैठक

मुख्य चिकित्साधिकारी, जनपद इटावा द्वारा बैठक में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन अन्तर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमो की मदवार, भौतिक एवं वित्तीय समीक्षा मुख्य चिकित्सा अधिकारी की अध्यक्षता में मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के सभाकक्ष में की गयी, जिसमें जनपदीय नोडल अधिकारी, जिला कार्यक्रम प्रबन्धक के साथ ब्लाक स्तरीय अधिकारी भी उपस्थित थे। बैठक में चर्चा के मुख्य बिन्दु निम्नवत है –

- बैठक में उपस्थित अधिकारियों के साथ मदवार व्यय विवरण के माध्यम से वर्ष 2019–20 में जनपद को प्राप्त कुल धनराशि की मद वार एवं पूर्व वर्ष की कमिट धनराशि की मद वार व्यय विवरण की अद्यतन स्थिति पर समीक्षा की गयी जिसमें जनपद को वर्ष 2019–20 हेतु विभिन्न कार्यक्रमो में मदवार भुगतान करने हेतु सुनिश्चित किया गया। जनपद को प्रत्येक मदो में प्राप्त धनराशि का भौतिक उपलब्धि के सापेक्ष वित्तीय प्रगति की समीक्षा करते हुए भौतिक उपलब्धि के सापेक्ष शत–प्रतिशत भुगतान हेतु निर्णय लिया गया।
- मुख्य चिकित्सा अधिकारी द्वारा समस्त अधीक्षक/प्रभारी चिकित्साधिकारी एवं ब्लॉक लेखा प्रबन्धकों को निर्देशित किया गया की उनके स्तर से कमिटेड करायी गयी धनराशि को 15 कार्यदिवसो तक शत्प्रतिशत व्यय करना सुनिश्चित करें।
- समस्त अधिक्षक/प्रभारी चिकित्साधिकारी को अवगत कराया गया की सर्पोटिव सुपर विजन सभी संबंधित अधिकारियों/कर्मचारियों द्वारा किया जाए। भ्रमण के दौरान सम्बन्धित चेक लिस्ट को भरा जाए एवं जो गैप निकले उसमें सुधार किया जाए। भ्रमण पश्चात् सभी अधिकारी/कर्मचारी अपना भ्रमण आख्या अपने उच्च अधिकारियों को प्रेषित करें तथा पोर्टल पर अपलोड कराना सुनिश्चित करें।
- अवगत कराया गया कि दूसरे जनपदों से स्थानांतरित रा0स्वा0मिशन के संविदा कर्मचारियों का मानदेय भुगतान मानव संम्पदा साफ्टवेयर द्वारा नहीं हो पा रहा है। जिस कारण सभी संविदा कर्मचारियों का माह जनवरी 2020 का मानदेय भुगतान लम्बित है। उक्त के संबंध में सभी संविदा कर्मचारियों जिनका भुगतान मानदेय पोर्टल से किया जा सकता है, का तत्काल भुगतान करने तथा स्थानांतरित संविदा कर्मचारियों के भुगतान संबंधि मानव संम्पदा पोर्टल पर प्राप्त हो रही दिक्कतों को राज्य स्तर पर संबंन्धित अधिकारियों को अवगत कराने एवं समन्वय स्थापित कर दिक्कतों को तत्काल दूर कर यथाशीघ्र मानदेय भुगतान किये जाने का सुझाव दिया गया ।
- यू0पी0एच0एम0आई0एस0 पोर्टल में डाटा इन्ट्री के संबंध में जिला कार्यक्रम प्रबन्धक द्वारा अवगत कराया गया कि ऐसी गतिविधियॉ जो जनपद में संचालित नहीं है, उनमें शून्य लिखने पर "Blank" परिलक्षित होता है। उक्त के संबंध में राज्य स्तर पर संबंन्धित अधिकारियों को अवगत कराने एवं समन्वय स्थापित कर यू0पी0एच0एम0आई0एस0 पोर्टल में शत प्रतिशत डाटा इन्ट्री किये जाने का सुझाव दिया गया ।
- जनपद में सन् 2013 में तीन 50 बेड अस्पतालों का निर्माण कर हैण्डओवर कर दिया गया था। परन्तु 50 बेड अस्पतालों के संचालन हेतु दिशा–निर्देश उपलब्ध न होने के कारण तीनों भवन अभी तक रिक्त पडे है। इन भवनों में नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंन्द्रों को स्थानान्तरित किया जा सकता है।
- समस्त बी0सी0पी0एम0, को निर्देशित किया गया कि रोगी कल्याण समिति के रजिस्टरो, वी0एच0एस0एन0सी0, का रिकार्ड, अन्टाइड का रिकार्ड/बैठक/कार्यवृत्ति को अपडेट रखेगें तथा नियमानुसार एच0बी0एन0सी0 व वी0एच0एन0डी0 कार्यक्रमो का अनुश्रवण करेगें एवं समस्त ब्लाक लेखा प्रबन्धक अपने समस्त लेखा/वित्तिय रिकार्ड को अपडेट रखेंगे।
- समुदाय आधारित गतिविधियों यथा परिवार नियोजन, मातृ–मृत्यु समीक्षा, आशा भुगतान, ग्राम स्वास्थ्य स्वच्छता एवं पोषण समिति, अनटाइड फन्ड एवं प्रधान मंत्री मातृ बंदना योजना की समीक्षा एवं भौतिक उपलब्धि के सापेक्ष शत–प्रतिशत भुगतान हेतु दिशा–निर्देश दिये गये।
- जिला कम्यूनिटी प्रोसेस प्रबन्धक के साथ जिला कार्यक्रम प्रबन्धक को सुझाव दिया गया कि निष्क्रिय आशाओं का प्रस्ताव बनाकर जिला स्वास्थ्य समिति में रखते हुए कार्यवाही करायी जाए।

बैठक में निम्नानुसार सुझाव दिये गये–

- ऑकड़ों की नियमित समीक्षा प्रत्येक स्तर के अधिकारियों द्वारा किया जाए। भिन्नता की भी जॉच सुधार करते हुए पोर्टल पर अपलोड कराये जाने का सुझाव दिया गया।

ब्लाक स्तर पर आयोजित होने वाली बैठकों में समस्त जानकारियों से समुदाय स्तरीय कार्यकर्ताओं को अवगत कराते हुए उनका क्षमतावर्धन किया जाये जिससे उपलब्धि बढ़ाई जा सके।

- प्रत्येक माह सामुदायिक कार्यकर्ताओं के कार्यों की समीक्षा की जाये व आगामी माह हेतु उनके द्वारा किये जाने वाले कार्यों के बारे में निर्देशित किया जाय।
- रोगी कल्याण समिति की शासी निकाय एवं कार्यकारी समिति की बैठकें नियमित अन्तराल पर आयोजित नहीं की जा रही हैं। बैठकों का आयोजन नियमित किये जाने का सुझाव दिया गया।
- **क्रय प्रक्रिया के लिए निम्नवत दिशा–निर्देशों का पालन किये जाने का सुझाव दिया गया–**
  - ❖ रू 20,000.00 तक का क्रय Market Survey के आधार पर किया जा सकता है।
  - ❖ रू 20,000.00 से रू 1,00,000.00 के क्रय के लिये तीन फर्मों की कोटेशन (कम से कम) लेकर जो निम्नतम हो। जानबूझकर बिलों को विभाजित करके कोटेशन प्रक्रिया से न बचें।
  - ❖ रू 1,00,000.00 से ऊपर के क्रय के लिये टेण्डर की प्रक्रिया अपनायी जाये। जानबूझकर बिलों को विभाजित करके टेण्डर प्रक्रिया से न बचें।
  - ❖ सामानों का क्रय उनकी माँग एवं उनके उपयोग की क्षमता का आंकलन करने के पश्चात ही किया जाये।
- **राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की धनराशि का भुगतान विभिन्न कार्यक्रमों के अन्तर्गत लाभार्थियों/वेन्डर्स के खाते में किये जाने की व्यवस्था है। अधिकारी/कर्मचारी द्वारा अनियमित रूप से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की धनराशि अपने व्यक्तिगत खाते में हस्तांतरित की जाती है, तो यह गबन/गंभीर वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आएगा।**
- कार्यवृत्त रजिस्टर सम्बन्धित बैठकों की कार्यवृत्ति पंजिका नियमित रुप से अद्यावधिक भरा जाय।
- जनरेटर/वाहन लाग बुक नियमित रुप से बनाई जाय एवं सम्बन्धित अधिकारी द्वारा ससमय नियमित रुप से प्रमाणित करा कर रखा जाय।
- चेक निर्गत रजिस्टर एवं जे0एस0वाई रजिस्टर निर्धारित प्रारुप में तैयार किया जाय।
- बी0आर0एस0 माहवार तैयार किया जाना चाहिए।
- फण्ड का उपयोग आवश्यकतानुसार करें न कि वर्ष के अन्त में।
- नियमित अन्तराल पर जनपद स्तरीय व्यय भुगतान समीक्षा बैठक का आयोजन किया जाना चाहिए , जिसमें सी0एच0सी0/पी0एच0सी स्तर के सभी सम्बन्धित कर्मियों को, जो लेखा पुस्तकों के रख–रखाव के लिए मुख्य रुप से जिम्मेदार हैं, बुलाया जाय। जिले के सभी पीएचसी/सीएचसी लेखा कर्मियों की निश्चित अन्तराल में बैठक/प्रशिक्षण आयोजित की जानी चाहिए जिससे उनकी व्यवहारिक एवं कर सम्बन्धी सभी समस्याओं को दूर किया जा सके।

Brijendra Sinha 27/02/2020

श्री बृजेन्द्र प्रताप श्रीवास्तव
कन्सलटेन्ट, सी0पी0

27/02/2020

डॉ0 हिमांशु आर्य
कन्सलटेन्ट, आयुष

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

सेवा मे,

मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
जनपद– इटावा, उत्तर प्रदेश।

पत्र संख्या :एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / 19–20 / दिनांक :

विषय : राज्य स्तरीय भ्रमण दल द्वारा दिनांक 17–19 फरवरी 2020 के मध्य सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के दौरान चिन्हित गैप्स / समस्याओं / के निराकरण एवं सुधारात्मक कार्यवाही किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

अवगत कराना है कि राज्य स्तरीय सहयोगात्मक पर्यवेक्षण टीम द्वारा दिनांक 17 से 19 फरवरी 2020 के मध्य जनपद– इटावा में चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर किये जाने के उद्‌देश्य से सहयोगात्मक पयवेक्षण किया गया। सहयोगात्मक पर्यवेक्षण के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों / गतिविधियों के अन्तर्गत चिकित्सा इकाईयों पर प्रदान की जा रही स्वास्थ्य सेवाओं से सम्बन्धित समस्याओं से सक्षम अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है।

उक्त के सम्बन्ध में मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन उ0प्र0, के निर्देशानुसार **जनपद में पायी गयी कमियों में सुधारात्मक कार्यवाही सुनिश्चित कराते हुए एक सप्ताह के अन्दर अनुपालन आख्या अधोहस्ताक्षरी को उपलब्ध करना सुनिश्चित करें।** सहयोगात्मक पर्यवेक्षण की अनुमोदित भ्रमण आख्या आवश्यक कार्यवाही हेतु पत्र के साथ संलग्न है।

संलग्नक–उपरोक्तवत्।

भवदीय,

(विजय विश्वास पन्त)
मिशन निदेशक

पत्र संख्या :एस.पी.एम.यू. / एन.एच.एम. / सहयोगात्मक पर्यवेक्षण / 19–20 / 10103 तददिनांक 11/03/2020

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सादर सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. महानिदेशक चिकि0 एवं स्वा0 सेवायें, उ0प्र0, लखनऊ।
2. महानिदेशक प0क0, उ0प्र0, लखनऊ।
3. मण्डलायुक्त, कानपुर मण्डल, कानपुर ।
4. जिला अधिकारी / अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, जनपद– इटावा।
5. मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, कानपुर मण्डल को इस निर्देश के साथ कि दिये गये सुझावों के सम्बंध में एक सप्ताह के अन्दर कार्यवाही कराना सुनिश्चित करें ।
6. समस्त महाप्रबन्धक / उप महाप्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0, लखनऊ।
7. मण्डलीय कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, कानपुर मण्डल, कानपुर।
8. जिला कार्यक्रम प्रबन्धक, एन0एच0एम0, जनपद– इटावा।

(डा0 मीनाक्षी सिंह)
मण्डलीय नोडल–कानपुर
महाप्रबन्धक, आई0ई0सी0